राज्य पुरार्गठ-। विमाग संख्याः ५ / राष्ट्राठ / विकाराज्य / राष्ट्राठ / विकाराज्य / 63 / 2003 वेहरादुनः विनासः अवस्वर 2003

समस्त प्रमुख शविव/संदिव, उत्तरांचल शासन ।

जैसा कि आप अवगत है उद्युष्ठ ए र उत्तरावल के मध्य विभिन्न विभागों में वहाँगिका के काइर विभाजन की कार्यवाही प्रगति वह वे जिसका सम्मादन उत्तरतावल शासन में सक्य पुनर्गठन विभाग एवं उठप्रठ शासन में व्यक्ति मन्त्रिक समन्त्रय विभाग द्वारा राज्य न्यायशीम समिति के निर्देशन में किया जा रहा है।

उपरोक्त कार्यवाही सम्यक विवाहापरान। सासन स्तर घर ही की जानी अपरिता है । पुनर्गठन मामलों से सम्यन्धित उठ्यक क राह्य प्रवादार विभागाध्यक्ष स्तर रा किया जाना उचित नहीं है । ऐसे प्रवादार से कार्नित के आवटन की प्रक्रिया में शानित की रिवित सरपन्न होनी स्वभाविक है और शादान हुए एक राज्यों की जानकारी एवं परीक्षण का भी अवसर नहीं रहेगा ।

अतः मुझे आपसे यह अनुसार करने का निर्देश हुआ है कि कृषया अपने अवीक्ष्य रामस्त विभागाध्यक्षों को निर्देशित करने का बठा करें कि भनिष्य में उठ्यक के साथ पुनर्वकन के भामलों में पश्चाचार सीचे न करते हुए शासक म अपने प्रशासकीय विभाग के बाह्यम से ही सुनिश्चित करेंगे ।

striction.

(तंगलता चीवियाल) अपर शक्ति